

न्यायालय राजस्व मण्डल, म०प्र०ग्वालियर

समक्ष - एम०के०सिंह

सदस्य

निगरानी प्रकरण क्रमांक 24-दो/2006 - विरुद्ध - आदेश
दिनांक 30-12-2005 - पारित द्वारा - अपर
आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना - प्रकरण क्रमांक
112/2004-05 अपील

1- मुन्नेश सिंह 2- रामऔतार 3- कोकसिंह
4- अजबसिंह 5- ओंकार सिंह जाति बघेले
निवासी ग्राम गुलालपुरा तहसील व जिला भिण्ड ---आवेदकगण
विरुद्ध

1- मथुराप्रसाद पुत्र टिकोले बघेले
निवासी ग्राम गुलालपुरा तहसील भिण्ड ----असल अनावेदक
2- रामऔतार 3- रामेहत 4- राजाराम
पुत्रगण निरंजन बघेले ग्राम गुलालपुरा
तहसील व जिला भिण्ड --फार्मल अनावेदक

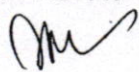
(आवेदकगण के अभिभाषक श्री एस.के.शर्मा)
(अनावेदकगण सूचना उपरांत अनुपस्थित-एकपक्षीय)

आ दे श

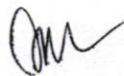
(आज दिनांक 3-10-2016 को पारित)

यह निगरानी — अपर आयुक्त, चम्बल संभाग,
मुरैना द्वारा प्रकरण क्रमांक 112/2004-05 अपील में पारित
आदेश दिनांक 30-12-2005 के विरुद्ध मध्य प्रदेश भू राजस्व
संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।

2/ प्रकरण का सारोश यह है कि भूमिस्वामी तेज सिंह,
शिवसिंह, हुकुम सिंह से अनावेदक रामऔतार , रामेहत, राजाराम
ने ग्राम सगरा स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 70 रकबा 0.303 है.



बंदोवस्त के वाद सर्वे क्रमांक 59 रकबा 0.30 हैक्टर (आगे जिसे वादग्रस्त भूमि सम्बोधित किया गया है) पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 17-1-1981 से क्रय की एवं क्रय उपरांत क्रेताओं का नामांतरण हुआ। अनावेदक मथुराप्रसाद पुत्र टिकोले ने तहसील न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत वादग्रस्त भूमि पर कब्जा दर्ज करने की मांग की, जिस पर अपर तहसीलदार वृत्त उमरी ने प्रकरण क्रमांक 10/99-2000 अ-6-अ पंजीबद्ध किया एवं आदेश दिनांक 24-8-2000 पारित करके वादग्रस्त भूमि कब्जा दर्ज करने के आदेश दिये। इस आदेश के विरुद्ध अनुविभागीय अधिकारी भिण्ड के समक्ष अपील होने पर प्रकरण क्रमांक 35/2001-02 अपील में पारित आदेश दिनांक 10-7-02 से अपील बेरुम्याद मानकर निरस्त की गई। इस आदेश के विरुद्ध अपर आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना के समक्ष अपील होने पर प्रकरण क्रमांक 194/2001-02 अपील में पारित आदेश दिनांक 20-9-2002 से अनुविभागीय अधिकारी का आदेश निरस्त कर प्रकरण गुणदोष पर निराकरण हेतु प्रत्यावर्तित हुआ। अनुविभागीय अधिकारी भिण्ड ने पक्षकारों की सुनवाई कर आदेश दिनांक 20-5-2005 पारित किया तथा अपर तहसीलदार वृत्त उमरी के प्रकरण क्रमांक 10/99-2000 अ-6-अ में पारित आदेश दिनांक 24-8-2000 को निरस्त कर दिया। इस आदेश के विरुद्ध अपर आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना के समक्ष अपील होने पर प्रकरण क्रमांक 112/2004-05 अपील में पारित आदेश दिनांक 30-12-2005 से अनुविभागीय अधिकारी के आदेश को निरस्त करते हुये अपर तहसीलदार के आदेश दिनांक 24-8-2000 को स्थिर रखा गया। इसी आदेश से परिवेदित होकर यह निगरानी की गई है।



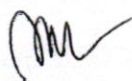
3/ निगरानी मेमो में अंकित आधारों पर आवेदक के अभिभाषक के तर्क सुने तथा उपलब्ध अभिलेख का अवलोकन किया गया। अनावेदकगण को बार-बार सूचना पत्र भेजे जाने एवं सूचना पत्रों के सम्यक निर्वहन की जानकारी के अभाव में पंजीकृत डाक से सूचना भेजी गई, इसके बाद भी अनुपस्थित रहने से एकपक्षीय है।

4/ आवेदकगण के अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत तर्कों के क्रम में उपलब्ध अभिलेख के अवलोकन से परिलक्षित है कि अपर आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना द्वारा अनुविभागीय अधिकारी भिण्ड के आदेश दिनांक 20-5-2005 को इसलिये निरस्त किया है और आदेश के पद 5 में विवेचना की है कि :-

“ विवादित भूमि पर अपीलार्थी का पूर्व से कब्जा दर्ज चला आ रहा है जेसाकि खसरा पंचशाला संबत 2041 लगायत 2046 के अवलोकन से स्पष्ट है। अपीलार्थी का विवादित भूमि पर कब्जा छूट जाने के बाद उसने विचारण न्यायालय के समक्ष संहिता की धारा 115, 116 के तहत आवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें सुधार किये जाना आवश्यक होने से विचारण न्यायालय द्वारा मौके की स्थल जांच रिपोर्ट व पंचनामा एवं साक्षियों और मौजा पटवारी के कथन के मुताविक विचारण न्यायालय अपर तहसीलदार वृत्त उमरी ने अपीलार्थी का विवादित भूमि कब्जा इन्द्राज करने संबंधी आदेश पारित किया है। विचारण न्यायालय ने अपीलार्थी का विवादित भूमि पर पूर्व से चला आ रहा कब्जे का इन्द्राज बिना किसी आदेश के छूट जाने संबंधी त्रुटि को दुरुस्त करने में कोई भूल नहीं की है। ”

अपर आयुक्त चम्बल संभाग द्वारा आदेश दिनांक 30-12-2005 में उक्तानुसार की गई विवेचना एवं निकाले गये निष्कर्ष से प्रतीत होता है कि अपर तहसीलदार वृत्त उमरी ने प्रकरण क्रमांक 10/99-2000 अ-6-अ में पारित आदेश दिनांक 24-8-2000 से वादग्रस्त भूमि के खसरे में कोई नवीन प्रविष्टि नहीं की है

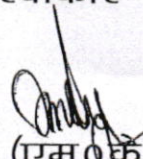




अपितु पूर्व चली आ रही प्रविष्टि छूट जाने से दुरुस्ती वावत् आदेश पारित किया है जिसके कारण अपर आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना ने आदेश दिनांक 30-12-2005 से अनुविभागीय अधिकारी भिण्ड के त्रुटिपूर्ण आदेश दिनांक 20-5-2005 को निरस्त किया है जिसमें किसी प्रकार का दोष नहीं है।

5/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर अपर आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना द्वारा प्रकरण क्रमांक 112/2004-05 अपील में पारित आदेश दिनांक 30-12-2005 उचित पाये जाने से हस्तक्षेप योग्य नहीं हैं। अतः निगरानी अस्वीकार की जाती है।

1/14


(एम०के०सिंह)

सदस्य

राजस्व मण्डल
मध्य प्रदेश ग्वालियर